Roll No. ……..

MAHL–202

नाटक एवं कथेतर साहित्य

M. A. Hindi (MAHL–12/16)

Second Year, Examination, 2017

Time : 3 Hours **Max. Marks : 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र साठ (60) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों का चयन करना है।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नाटक का स्वरूप निर्धारित करते हुए उसके विभिन्न तत्वों पर प्रकाश डालिए।
2. गद्य साहित्य का परिचय देते हुए हिन्दी साहित्य की दो प्रमुख कथेतर गद्य विधाओं का परिचय दीजिए।

3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का विस्तृत जीवन एवं साहित्यिक परिचय देते हुए 'अशोक के फूल' का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'संस्मरण' का इतिहास बताते हुए 'पथ के साथी' के संस्मरण 'सुभद्रा कुमारी चौहान' का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. " 'आधे-अधूरे' नाटक आधुनिक जीवन विसंगति को केन्द्र में रखकर लिखा गया नाटक है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।
2. अंधेर-नगरी की नाट्य विशेषताएँ बताइये।
3. जीवनी साहित्य का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
4. हिन्दी निबन्धों का तात्विक विवेचन कीजिए।
5. 'करूणा' के लेखक का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
6. यात्रा साहित्य का संक्षिप्त इतिहास बताइये।
7. निराला के व्यक्तित्व के विषय में बताइये।
8. 'उत्तराखण्ड में सन्तमत एवं निर्गुण साहित्य' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. हिन्दी का प्रथम नाटक किसे माना जाता है ?
2. अंधा-धुंध मच्या सव देसा। मानहु राजा रहत विदेसा॥

   यह किस नाटक का प्रसिद्ध कथन है ?
3. 'कबीर का रहस्यवाद' का प्रकाशन वर्ष 1931 है।

   (सत्य / असत्य)
4. स्थानीयता, यात्रावृत्त का वह मूल तत्व है, जो स्मारक साहित्य की अन्य विधाओं में भी मिलता है। (सत्य / असत्य)
5. 'आधे-अधूरे' ..... जीवन समस्या पर केन्द्रित नाटक है।

   (सामंती / कबीलाई / आधुनिक)
6. 'कौमुदी महोत्सव' के रचनाकार ..... हैं।
7. 'मूर्खों ने स्वार्थ के लिए साम्राज्य के गौरव का सर्वनाश करने का निश्चय कर लिया है। सच है, वीरता जब भागती है, तब उसके पैरों से राजनीतिक छल-छन्द की धूल उड़ती है।' 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक का यह कथन किस पात्र का है ?
8. शैशव की चित्रशाला के जिन चित्रों से हम्मरा रागात्मक सम्बन्ध गहरा होता है, उनकी रेखाएँ और रंग इतने स्पष्ट और चटकीले होते चलते हैं कि हम वार्धक्य की धुंधली आँखों से भी उन्हें प्रत्यक्ष देखते रह सकते हैं'—यह किसका कथन है ?

9. निम्न रचनाओं और रचनाकारों को सुमेलित कीजिए :

रचना	रचनाकार
स्मृति की रेखाएँ	विष्णुकान्त शास्त्री
पद्मपराग	बनारसीदास चतुर्वेदी
संस्मरण	महादेवी वर्मा
वे दिन वे लोग	पद्मसिंह शर्मा
औरों के बहाने	शिवपूजन सहाय
स्मरण को पाथेय बनने दो	राजेन्द्र यादव

10. डायरी विधा के सूत्र हमें किस डायरी में मिलते हैं ?